Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 2

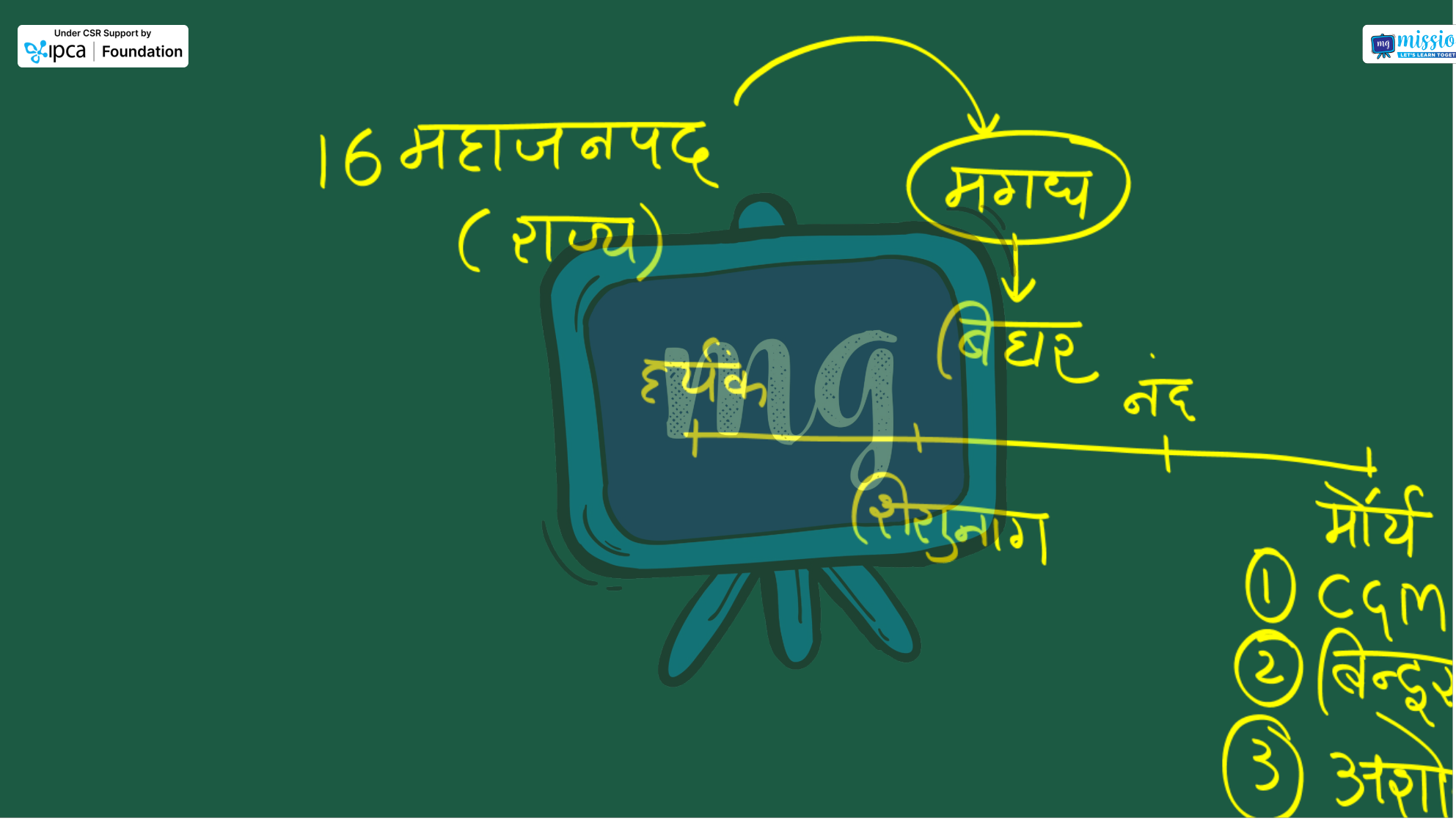
राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग - 4

Pritesh Joshi

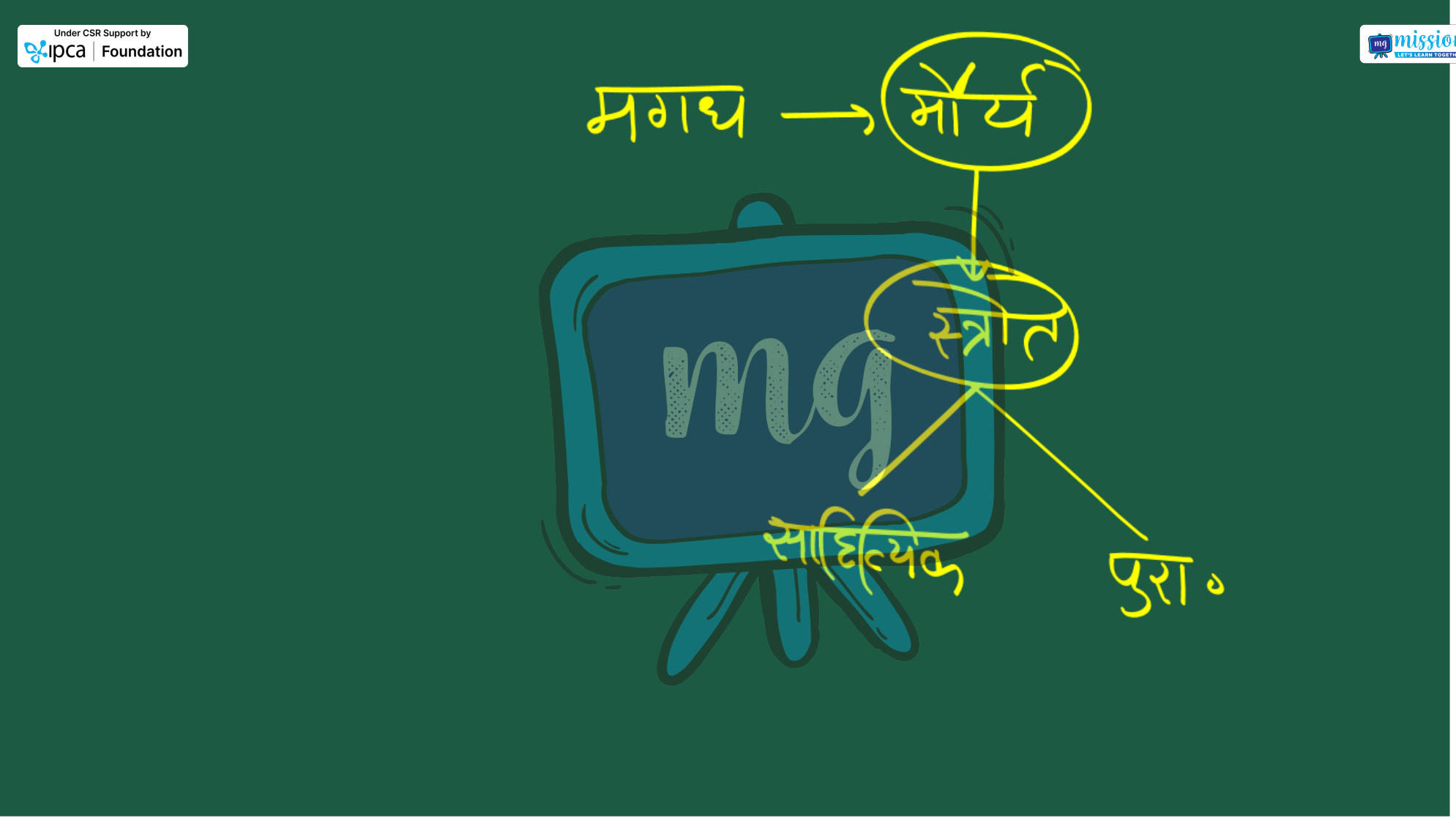
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



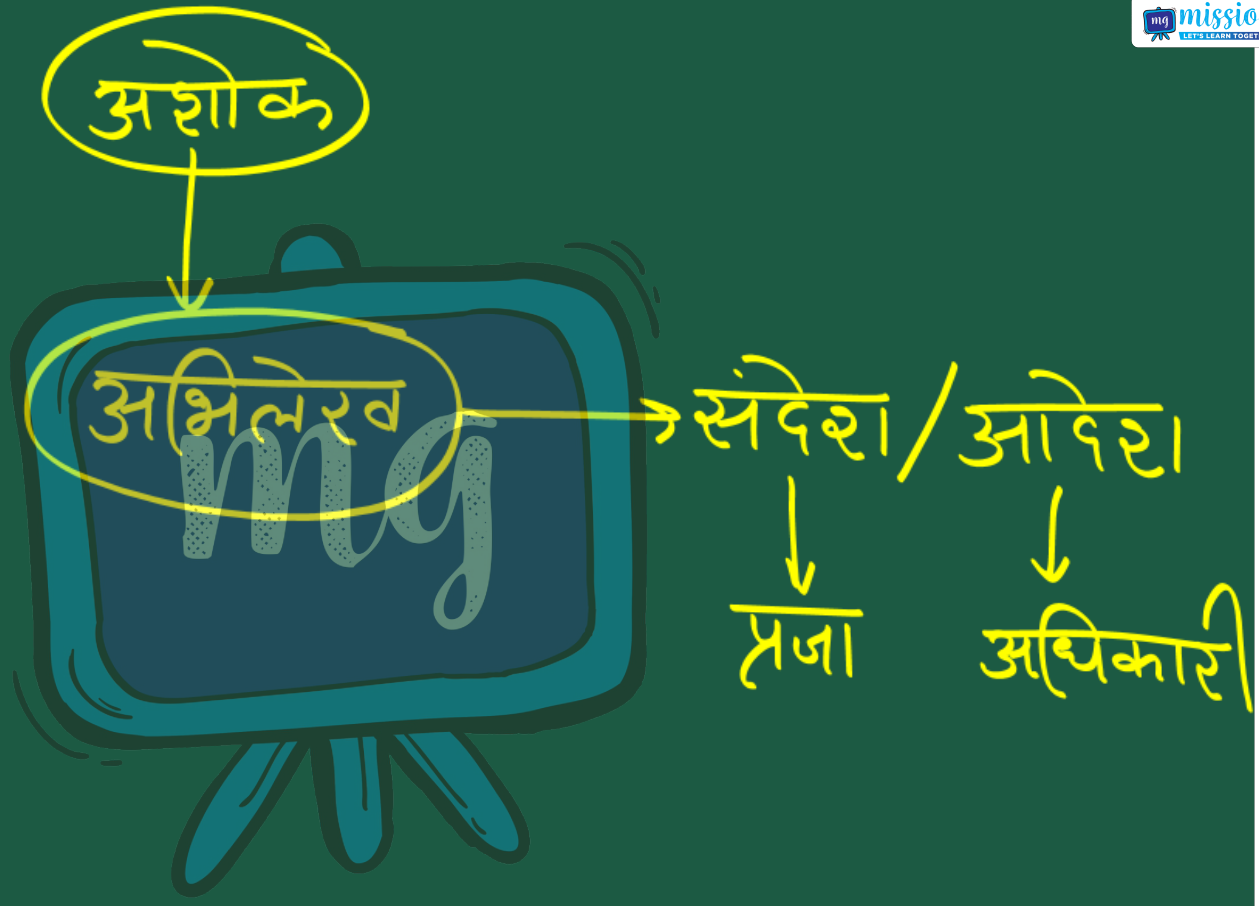
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



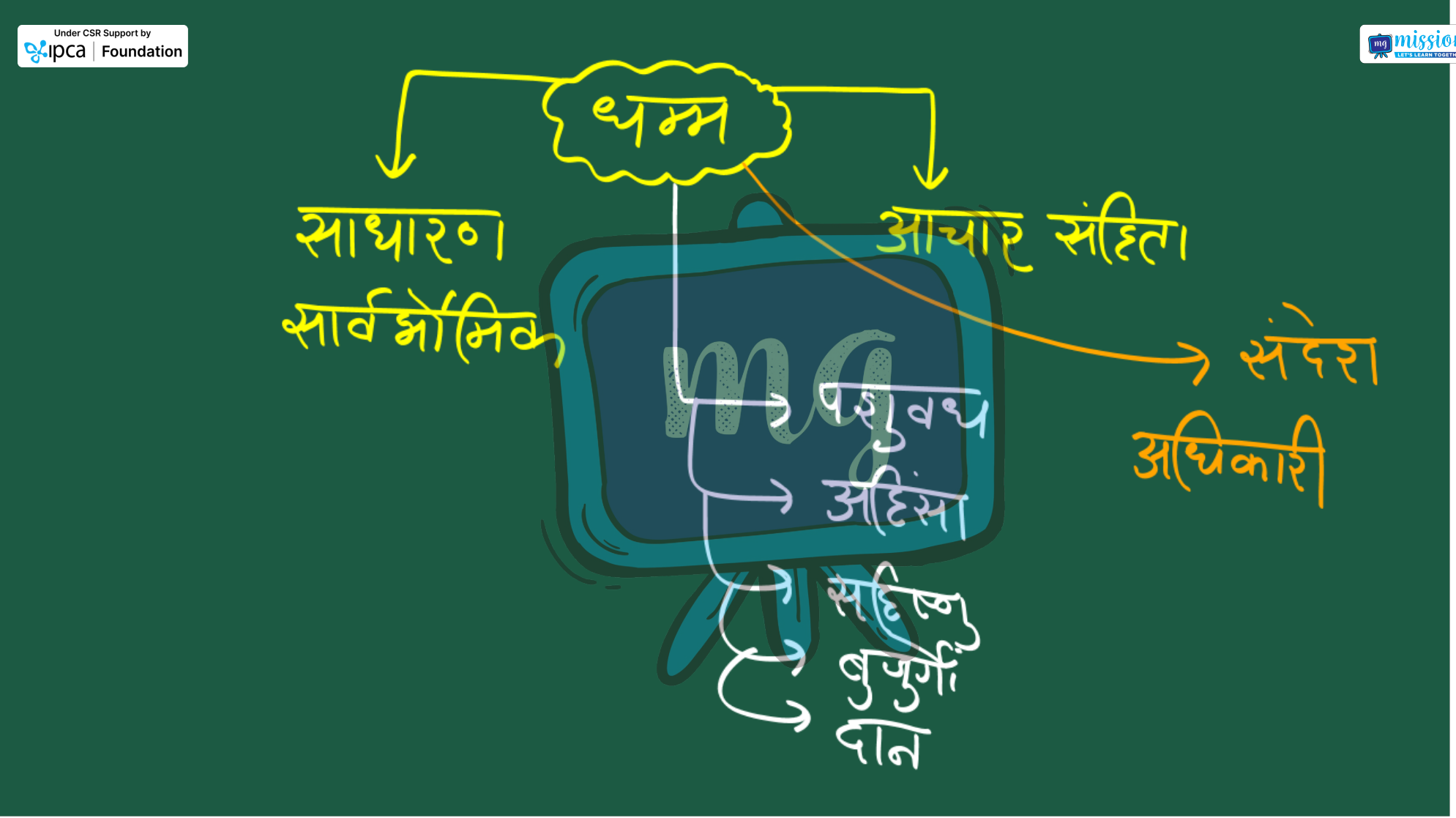
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

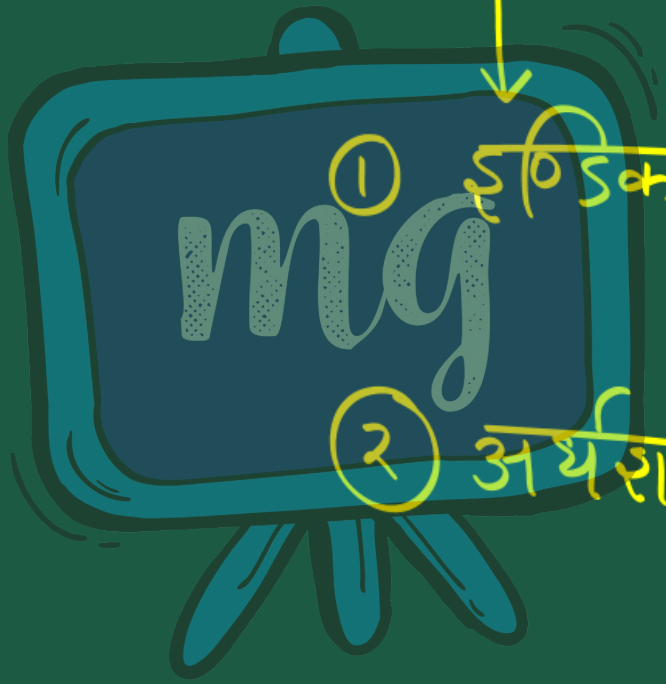
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मौर्य साम्राज्य



① इण्डिका → मैगस्थनीज

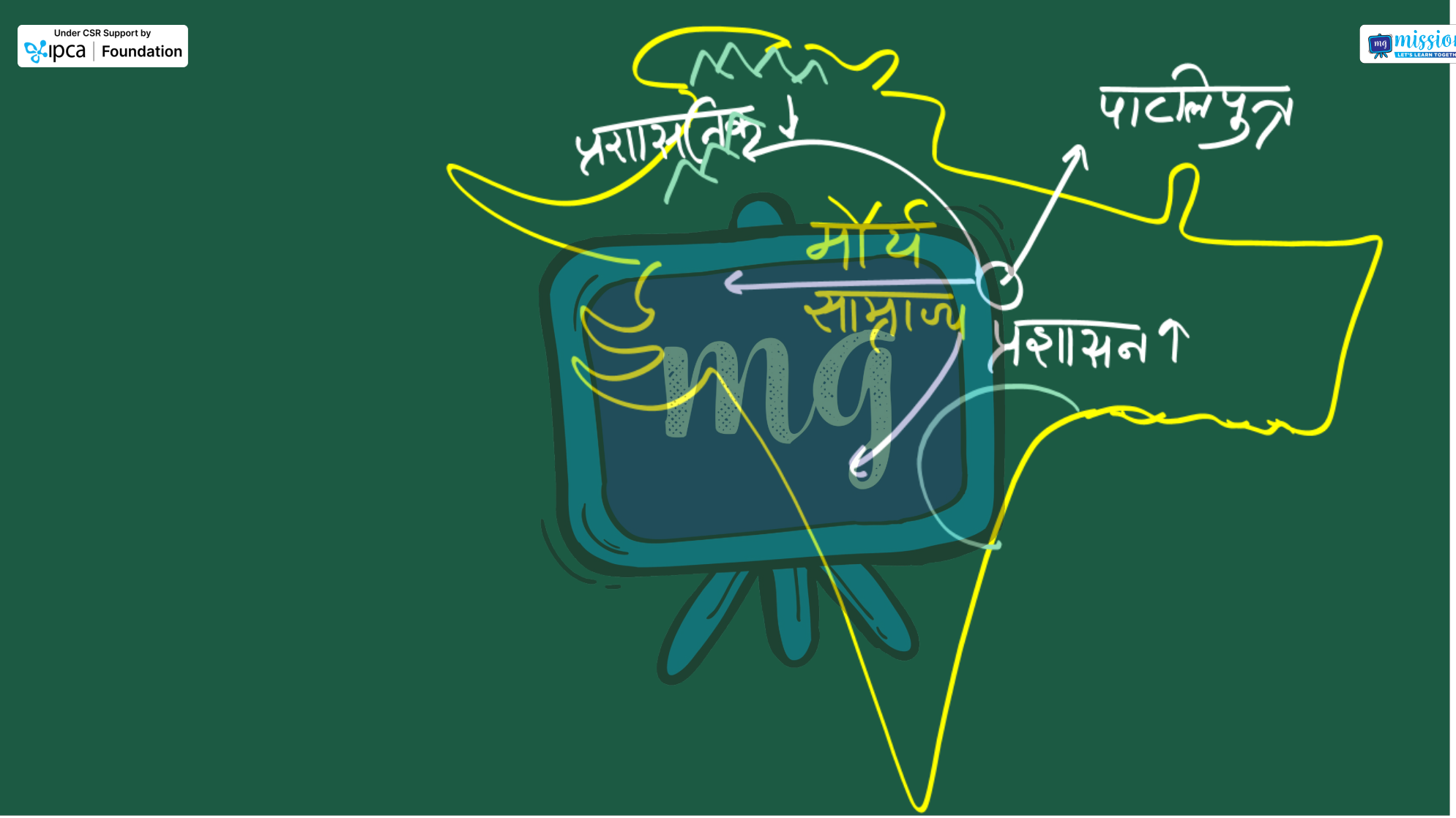
↓

राजदूत

② अर्थशास्त्र → आचार्य चाणक्य

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्रशासनिक व्यवस्था

- इतने बड़े साम्राज्य में एक जैसी प्रशासनिक व्यवस्था संभव नहीं थी।
- साम्राज्य में अफगानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र से लेकर उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र तक विविध क्षेत्र शामिल थे।
- सबसे अधिक प्रशासनिक नियंत्रण राजधानी और उसके आसपास के प्रांतीय केन्द्रों पर रहा होगा।
- प्रांतों का चयन बड़े ध्यान से किया गया था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- तक्षशिला और उज्जयिनी लंबी दूरी वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों पर स्थित थे।
- सुवर्णगिरि कर्नाटक की सोने की खदान के लिए उपयोगी था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट के अधिकारियों के कार्य



- सम्राट के कुछ अधिकारी नदियों की देखरेख और भूमि मापन करते थे।
- कुछ अधिकारी प्रमुख नहरों से उपनहरों में पानी की समान पूर्ति सुनिश्चित करते थे।
- कुछ अधिकारी शिकारियों का संचालन कर, उनके कार्यों के आधार पर इनाम या दंड देते थे।
- कुछ कर वसूली और भूमि से जुड़े व्यवसायों का निरीक्षण करते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ अधिकारी लकड़ाहारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का निरीक्षण करते थे।
- भूमि व नदियों के मार्गों का आवागमन बनाए रखना साम्राज्य के संचालन के लिए आवश्यक था।
- राजधानी से प्रांतों तक की यात्रा में समय लगता था, इसलिए यात्रियों के खानपान और सुरक्षा की व्यवस्था करनी होती थी।
- सेना सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम प्रतीत होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट के अधिकारियों के कार्य

(मेगस्थनीज के विवरण का एक अंश)

1. सम्राट के कुछ अधिकारी नदियों की देख रेख तथा भूमि मापन का काम करते थे। (जैसा कि मिश्र में होता था)।
2. कुछ प्रमुख नहरों से उपनहरों के लिए छोड़े जाने वाले पानी के मुखद्वार का निरीक्षण करते थे ताकि हर स्थान पर पानी की समान पूर्ति हो सके।

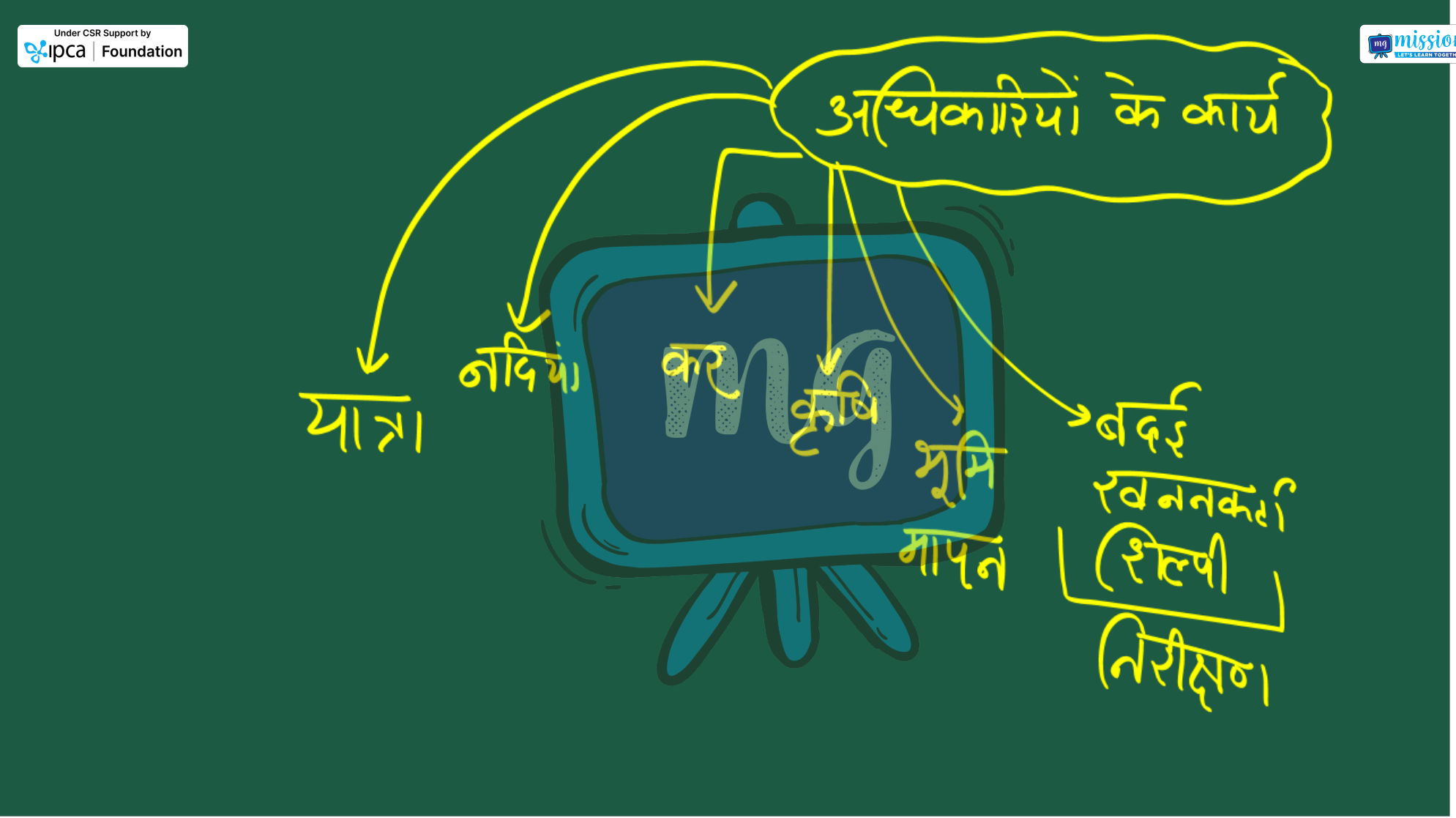
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. कुछ अधिकारी शिकारियों का संचालन करते हैं तथा शिकारियों के कृत्यों के आधार पर उन्हें इनाम या दंड देते हैं।
4. कुछ कर वसूली करते हैं तथा भूमि से जुड़े सभी व्यवसायों का निरीक्षण करते हैं।
5. कुछ लकड़ाहारों, बढ़ई, लोहारों और खननकर्ताओं का भी निरीक्षण करते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- साम्राज्य के संचालन के लिए भूमि और नदियों दोनों मार्गों के आवागमन बना रहना अत्यंत आवश्यक था।
- राजधानी से प्रांतों तक जाने में कई सप्ताह या महीनों का समय लगता होगा अतः यात्रियों के खान पान व सुरक्षा की व्यवस्था भी करनी पड़ती होगी। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सेना, सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम रही होगी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सैनिक गतिविधियां : (मैगस्थनीज द्वारा)

सेना के संचालन के लिए एक समति दशा छः उपसमितियां थी। उपसमितियों के कार्य :-

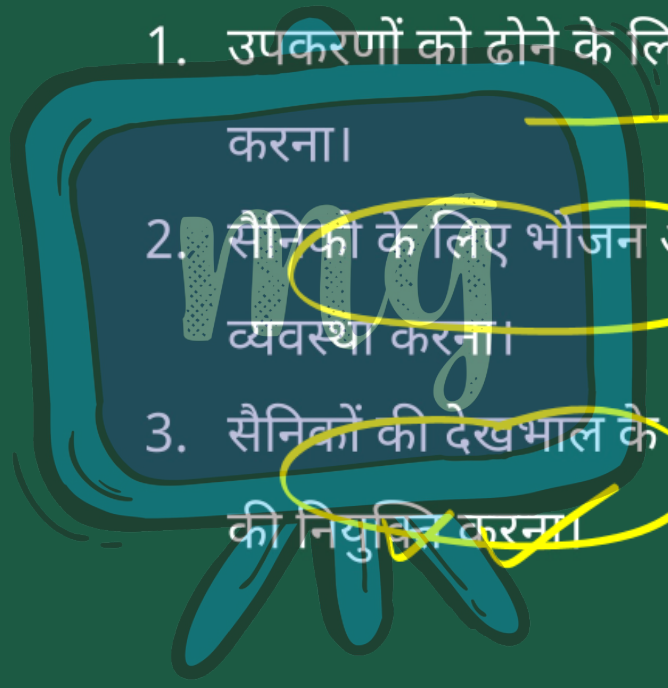
1. पहली उपसमिति नौसेना का संचालन करना।
2. दूसरी उपसमिति संचालन करना। यातायात व खानपान का।
3. तीसरी उपसमिति पैदल सैनिकों का संचालन त। ।
4. चौथी उपसमिति - अश्वारोहियों का संचालन ।
5. पाँचवीं उपसमिति रथारोहियों का संचालन
6. छठी उपसमिति - हाथियों का संचालन करना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

दूसरी उपसमिति के दायित्व विभिन्न प्रकार के थे-

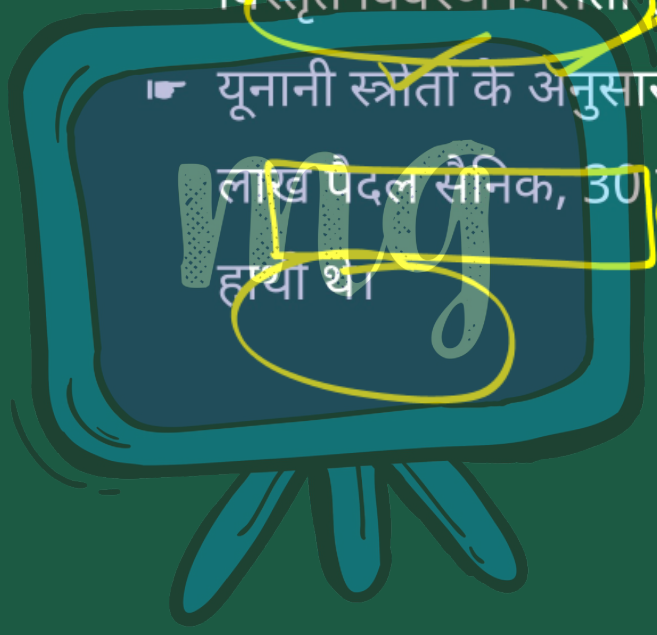
1. उपकरणों को ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था करना।
2. सैनिकों के लिए भोजन और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना।
3. सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।



Under CSR Support by ipca | Foundation

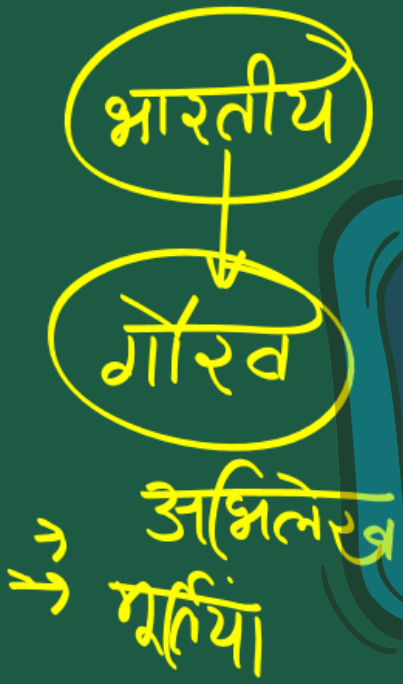
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अर्थशास्त्र में सैनिक और प्रशासनिक संगठन का विस्तृत विवरण मिलता है।
- यूनानी स्त्रोतों के अनुसार मौर्य सम्राट के पास 6 लाख पैदल सैनिक, 30 हजार घुड़सवार, 9 हजार हाथी थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



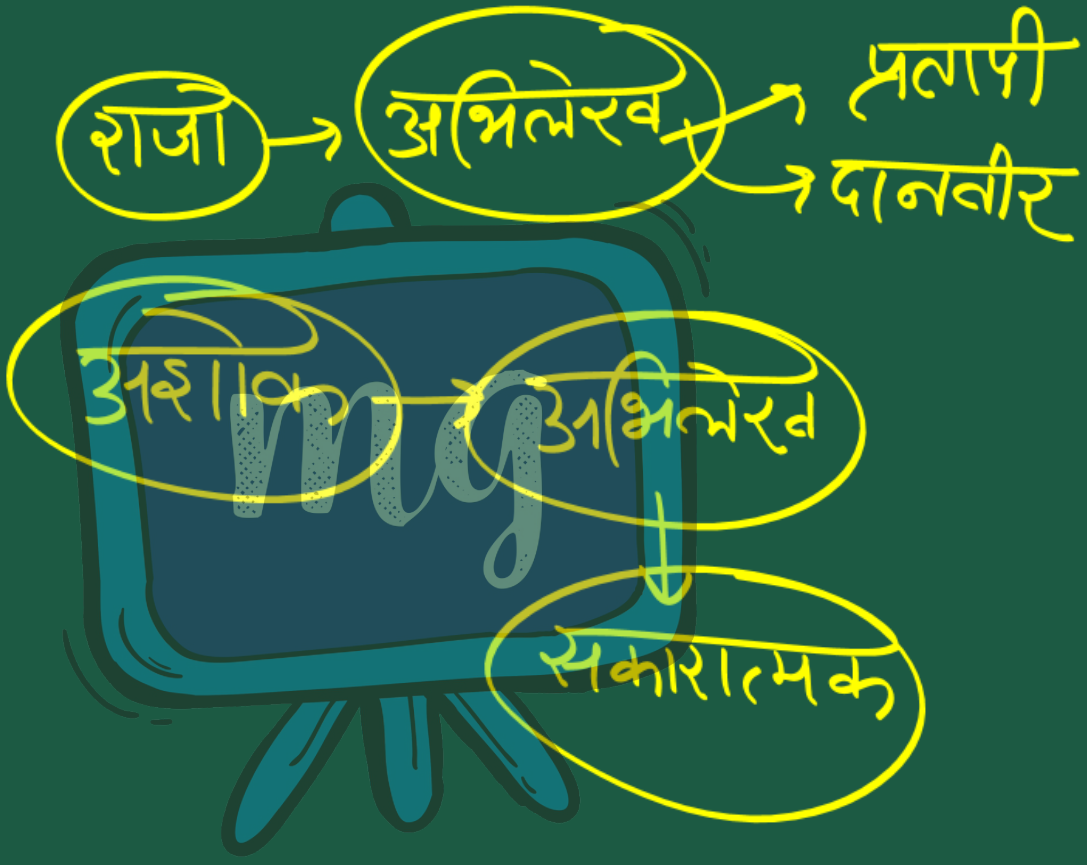
मौर्य साम्राज्य का महत्व

इतिहासकारों ने मौर्य साम्राज्य को भारतीय इतिहास का एक प्रमुख काल माना है।

- मौर्यकालीन पुरातत्व और प्रस्तर मूर्तियाँ अद्भुत कला के प्रमाण और साम्राज्य की पहचान हैं।
- अशोक के अभिलेख अन्य शासकों से भिन्न हैं, जिससे इतिहासकारों ने उन्हें शक्तिशाली एवं परिश्रमी शासक माना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- वे उन बाद के राजाओं से विनीत थे जो बड़ी उपाधियाँ प्रयोग करते थे।
- बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने असोक को प्रेरणा का स्त्रोत माना।
- मौर्य साम्राज्य लगभग 150 वर्ष चला, पर उपमहाद्वीप के सभी क्षेत्रों में नहीं फैल सका।
- पूरे साम्राज्य में समान नियंत्रण नहीं था और इसके अंत के साथ कई नए शासक व रजवाड़े उभरे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मौर्य साम्राज्य ?
- मौर्य की प्रशासनिक स्थिति वर्णन करें ?
- सैन्य समिति उपसमिति ?
- मौर्य साम्राज्य की महत्वता ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

